ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:10.09.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-09-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	11/09/2024	12/09/2024	13/09/2024	14/09/2024	15/09/2024
वर्षा (मीमी)	35	40	35	30	25
अधिकतम तापमान(से.)	35	34	33	32	33
न्यूनतम तापमान(से.)	26	27	28	27	26
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	80	83	86	88	82
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	35	40	40	40	35
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	6	6	7	6	5
पवन दिशा (डिग्री)	140	90	50	20	180
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	7	7	8	7

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (3 से 9 सितंबर) क्षेत्र में 40.4 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0 से 34.5oC और 24.9 से 26.1oC रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 83-95% और 59-95% के बीच रही, जबकि हवा उत्तर, उत्तर-पूर्व और उत्तर-उत्तर-पूर्व से 1.5-4.0 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अधिकांश दिन धूप खिली और शाम को बारिश हुई। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 10-14 सितंबर के बीच 25-40 मिमी की हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0-35.0oC और 26.0-28.0oC रहने की उम्मीद है। 12 सितंबर को अधिकांश स्थानों पर, 11 और 13 सितंबर को कई स्थानों पर तथा 10,14,15 और 16 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 12 और 13 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा/गरज के साथ बिजली चमकने/बहुत तीव्र से अत्यधिक तीव्र वर्षा के संबंध में नारंगी चेतावनी दी गई है। 10, 11 और 14 सितंबर को अलग-अलग स्थानों के लिए इसी तरह की पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैंऔर गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 06.09.2024 से 12.09.2024 के दौरान सामान्य से कम वर्षा, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, 10-14 सितंबर तक नारंगी और पीले अलर्ट के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है, इसलिए उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और छिड़काव का कार्यक्रम तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	वानस्पतिक	रोग और कीट के लिए छिड़काव का समय निर्धारित किया जा सकता है, लेकिन मौसम के पूर्वानुमान और चेतावनी के अनुसार, इन सभी छिडकावों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और खेत में उचित जल निकासी प्रदान की जानी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	जलभराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए तथा गन्ने की जड़ों में पर्याप्त मिट्टी चढ़ाने का कार्यक्रम निर्धारित करना चाहिए। जब फसल की वृद्धि अच्छी हो जाए तो मौसम साफ होने पर उसे 5 फीट की ऊंचाई पर बांध दें।
मक्का	वानस्पतिक	सिंचाई से बचना चाहिए तथा उचित जल निकासी के उपाय करने चाहिए। किसी भी प्रकार के छिड़काव से बचना चाहिए तथा पूर्वानुमान के अनुसार ही छिड़काव करना चाहिए।
मूंग/उर्द	वानस्पतिक	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और किसी भी बीमारी / कीट के खिलाफ छिड़काव को फिलहाल टाला जाना चाहिए और पूर्वानुमान के अनुसार तय किया जाना चाहिए।
सोयाबीन	फली विकास	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और किसी भी बीमारी / कीट के खिलाफ छिड़काव को फिलहाल टाला जाना चाहिए और पूर्वानुमान के अनुसार तय किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फूलगोभी	रोपाई	रोपाई फिलहाल टाल दी जानी चाहिए तथा पहले से रोपी हुई फसल में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।
मूली	बुवाई	पूर्वानुमान अनुसार बुवाई में देरी करनी चाहिए तथा उसके अनुसार ही समय निर्धारित करना चाहिए। पहले से बोई गई फसल में उचित जल निकासी बनाए रखना चाहिए।
पालक	बुवाई	पूर्वानुमान अनुसार बुवाई में देरी करनी चाहिए तथा उसके अनुसार ही समय निर्धारित करना चाहिए। पहले से बोई गई फसल में उचित जल निकासी बनाए रखना चाहिए।
कद्दु वर्गीय फसलों	तुड़ाई	काटी गई उपज को अच्छी तरह से भंडारित किया जाना चाहिए तथा वर्तमान पूर्वानुमानित मौसम स्थितियों के तहत किसी भी प्रकार के छिड़काव से बचना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछड़ों का दूध छह माह के बाद ही छुड़ाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे तरीके से हो सके।
भैंस	'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए खुरों को 10% फार्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में सुबह-शाम 2-3 मिनट के लिए कम से कम 3 दिन तक डुबोकर रखना चाहिए।
बकरी	ग्रामीण क्षेत्रों में भेड़-बकरियों को एक माह पर टेटनस टॉक्साइड के 2 टीके तथा 5 माह पर दूसरा टीका लगाया जाना चाहिए, ताकि नवजात मेमनों को टेटनस रोग न हो।